विस 2027 के लिये रणभूमि तैयार

जिला पंचायत नैनीताल के चुनाव में हुआ बबाल कलंक

आरोप-प्रत्यारोप की आग बढ़ती जा रही है

सड़क से लेकर विधानसभा तक जबर्दस्त प्रदर्शन

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 13 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 1 सितम्बर 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

एक ओर कोर्ट की फटकार, दूसरी ओर निर्वाचन का फैसला

हाईकोर्ट ने किए कानून-व्यवस्था पर सवाल और प्रशासन ने अपनी कार्रवाई पूरी की

हार से बौखला कर सदन पर गुस्सा उतारता विपक्ष : पुष्कर सिंह धामी

नेताप्रतिपक्ष यशपाल और विधायक प्रीतम ने कार्यमंत्रणा समिति से दिया इस्तीफा

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में आने वाले दिनों की राजनीति कैसी होने वाली है उसकी झलक इस बार के पंचायत चुनाव को माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि विधानसभा चुनाव 2027 के लिये रणभूमि तैयार हो चुकी है और विधायक का चुनाव लड़ने वालों में बौखलाहट भी दिखाई देगी। ये बौखलाहट उत्तराखण्ड बनाने-बचाने को लेकर नहीं बल्कि अपने बचाव और अपनी दबंगता के लिये।

नैनीताल जिला पंचायत के चुनाव का मसला तो राष्ट्रीय स्तर पर छाया हुआ है, जिसमें नाटकीय घटनाक्रम चलता रहा और अन्त में जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा की दीपा दर्मवाल घोषित की गई। उपाध्यक्ष पद पर दस-दस वोट बराबर मिलने के कारण टास में कांग्रेस की देवकी बिष्ट विजयी हुई।

नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव के दौरान हुई हिंसा के मामले ने साफ कर दिया कि उत्तराखण्ड में गुण्डई बढ़ती जा रही है। मामले में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी.नरेन्द्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खण्डपीठ ने सुनवाई करते हुए एसएसपी को फटकार लगाई और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि नैनीताल केवल एक पर्यटक नगर नहीं है, यहाँ उच्चन्यायालय भी है। खण्डपीठ ने तीखे स्वर में कहा कि, आपका पुलिस बल कहाँ था? शहर में हिस्ट्रीशीटर्स क्या कर रहे थे?क्या आप जानबूझकर अपराधियों को बचा रहे हैं? क्या आपको लगता है हम अन्धे हैं। यहाँ तक कि अदालत ने सरकार को एसएसपी का तबादला करने की सलाह भी थी। इस बीच सरकारी वकील ने एसएसपी के आचरण का बचाव किया। एक ओर कोर्ट की फटकार जारी थी, दूसरी ओर निर्वाचन का फैसला आ गया जिसकी चर्चा पहले से की जा रही थी कि परिणाम क्या होंगे।

हाईकोर्ट ने इस प्रकरण में दायर स्वत: संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सुनवाई में डीएम और एसएसपी की ओर से जवाबी हलफनामा लिया जिसमें बताया गया है कि घटनाक्रम में 14 लोग चिन्हित हैं इनमें से एक पकड़ लिया गया। बताया कि लाल रंग की कार में रामपुर, उधम सिंह नगर, हल्द्वानी व नैनीताल शहर के लोग शामिल थे जिनका विस्तृत विवरण जुटाने में समय की जरूरत है। कार पुलिस के कब्जे में है।

कोर्ट ने हिंसा को गम्भीरता से लेते हुए गृह विभाग के सचिव और डीजीपी

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

लीक से हट कर बना एक वेद : अर्थर्ववेद

सूर्यकान्त बाली

अथर्ववेद ने अच्छे-अच्छों को चकरा कर रख दिया है। वेदों से जुड़ा शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा नजर आये, जिसने अथर्ववेद से लेकर अपनी सम्मतियाँ पूरी तरह जाहिर की हों। कारण यह है कि वेदों के बारे में हम जो परम्परा से सुनते रहते हैं और वेदों के बारे में अब तक हम जो बताते आए हैं, अथर्ववेद के बारे में न तो उतनी परम्परा भर की जानकारी हमारी पूरी मदद करती है और न ही हम जो वेदों के बारे में अपने लेखों में अब तक कहते आए हैं, वह सब अथर्ववेद पर पूरी तरह घटित होता है। क्यों? इसलिए कि अथर्ववेद लीक से हट कर लिखा गया वेद है।

अथर्ववेद का लीक से हट कर माना जाने वाला रूप जानना हो तो पहले उसका वह रूप जान लिया जाए, जो पश्चिम के विद्वानों ने हमारे सामने रखा है और उसके साथ ही फिर भारतीय परम्परा में अथर्ववेद की जो छवि रही है, उसे जान लिया जाना जरूरी है। पश्चिमी विद्वानों का मत जान लेने के बाद अथर्ववेद के बारे में छवि यह बनती है कि इसमें जादू-टोने भरे पड़े हैं, मारण-उच्चटन भरे पड़े हैं, अन्धविश्वास लिखे पड़े हैं और कुछ जंगली किस्म की बातों से अथर्ववेद पटा पड़ा है। अथर्ववेद में जादू टोना है या नहीं, इस पर विवाद हो सकता है। उसमें मारण-उच्चटन या अन्ध विश्वास है या नहीं नहीं, इस पर भी बहस की जा सकती है। हो सकता है, यह सब उसमें हो या कतई न हो (वैसे हमें तो ऐसा कुछ भी नहीं मिला)। पर अगर अथर्ववेद में अन्धविश्वास, जादू-टोना और मारण-उच्चटन है तो यह भी निश्चित है कि उसमें इतना भर नहीं है। जिस भूमि सूक्त के अद्‌भुत सौन्दर्य के बारे में हम लिख आए है।, वह अथर्ववेद में ही है। सूर्य सावित्री के जिस युगान्तकारी विवाह सूक्त के बारे में हम लिख चुके हैं, अपने परिवर्तित-परिवर्धित रूप में वह अथर्ववेद में दो सूक्तों के रूप में है। जिस नासदीय सूक्त की दार्शनिक विराटताओं के बारे में हम पिछली बार कह आए हैं, वैसे भव्य दार्शनिक सूक्त, मसलन कालसूक्त, स्कम्भसूक्त अथर्ववेद सें दो सूक्तों के रूप में है। जादू-टोने वाली छवि कैसे बन गई, इस पर हम आगे लिखेंगे, पर अगर वैसा कुछ इस वेद में है भी तो इसी पैराग्राफ में गिनाए गए दूसरे सूक्तनामे में जाहिर है कि इसमें सिर्फ जादू-टोना नहीं है।

यह तो वह छवि है जो पश्चिमी विद्वानों ने हमारे मन में ऋग्वेद को लेकर बनाने की कोशिश की है। तो फिर हमारी परम्परा क्या कहती है? वह भी कुछ अजीब बातें कहती है। परम्परा कहती है कि अगर ऋग्वेद आदि स्वर्ग की प्राप्ति कराते हैं तो अथर्ववेद इस संसार की समृद्धि दिलाने वाला वेद है। यज्ञ में चार तरह के पुरोहितों की जरूरत पड़ती है- होता, उद्‌गात, अश्वर्य और ब्रह्मा ने चार पुरोहित क्रमशः ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद के ज्ञात माने गए हैं। वेदों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण ऋग्वेद माना गया है, और यज्ञ विज्ञान में यजुर्वेद सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है, पर परम्परा में ब्रह्मा को सबसे महत्वपूर्ण यज्ञ पुरोहित मान लिया है, जो कि अथर्ववेद से जुड़ा है और यज्ञ में भाग लेने वाले शेष तीन पुरोहितों से अपेक्षा होती है कि वे ब्रह्मा को अपना नेता मानें और उससे निर्देश लेकर इसके अनुशसन में रहें।

सवाल है कि जब कथ्य की दृष्टि से शेष तीन वेदों को ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है और ऋग्वेद को तो शिखर सम्मान दे दिया गया तो फिर अथर्ववेद के पुरोहित ब्रह्मा को सबसे महत्वपूर्ण कैसे मान लिया गया? कुछ समझ में नहीं आता। समझ में कुछ बातें और भी नहीं आती। शेष तीन वेदों का नाम उनकी लेखन शैली के आधार पर है, जैसे गद्य (यजुष) में होने के कारण यजुर्वेद, पद्य (ऋचा) में होने के कारण ऋग्वेद और गीत या संगीत (साम) में होने के कारण सामवेद पर अथर्ववेद के नामकरण का ऐसा कोई आधार नहीं है। फिर यह सम्मान भी अथर्ववेद को कई बाद दे दिया जाता है कि इसमें पद्य, गद्य, गीति का समुच्चय है। पर यह भी पूरा सच नहीं है।

अथर्व का अर्थ क्या है? उस पर भी कोई दोटूक राय नहीं है। कुछ लोग इसका अर्थ करते हैं- वह ऋषि, जिसके मंत्र अथर्ववेद में संकलित हैं। शक नहीं कि अथर्वा ऋषि के मंत्र इस वेद में हैं, पर दसियों दूसरे ऋषियों के भी हैं, फिर अकेले एक ऋषि के नाम पर पूरे वेद का वैसा यानी अथर्ववेद क्यों? इसे अथर्वांग्डि.रस्वेद (या अथर्वांग्डि.रोवेद) भी कहते हैं, क्योंकि इसमें इस नाम के ऋषि के सूक्त भी हैं। पर अथर्ववेद के 731 सूक्तों में से अथर्वांग्डि.रस् के सूक्त डेढ़ दर्जन से ज्यादा नहीं हैं। फिर इस नामकरण का तात्पर्य क्या है? कुछ लोग तो अथर्व का अर्थ जादू ही कर डालते हैं और इस आधार पर अथर्ववेद के नाम का रहस्य हम पर थोपने की कोशिश करते हैं।

इन तमाम बातों के आधार पर पश्चिमी विद्वानों ने अथर्ववेद के बारे में

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

यदि पार्टियों के लिये यही सब होता है तो बहुत शर्मनाक बात है

हमेशा चर्चाओं में रहने वाले कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने भाजपा पर खनन माफिया से पैसे लेकर तीस करोड़ की एफडी बनाने का आरोप लगाने के साथ ही कहा है कि त्रिवेन्द्र सरकार में वह वन एवं पर्यावरण, श्रम मंत्री थे। पैसे लेने के लिये दबाव बनाया जाता था। हरक का सीधा सा आरोप है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कोर कमेटी में आठ लोग होते थे। कमेटी में वर्तमान कैबिनेट मंत्री डॉ.धनसिंह रावत होते थे। बैठक में तय होता था कि किस फैक्ट्री से पैसा लेना है। हरक का आरोप मैंने तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह से पूछा कि काशीपुर की फैक्ट्री से पैसा मैं लूंगा या आप लेंगे। इस पर उन्होंने कहा, वहां से मैं लूंगा। एक बार दस लाख रुपये चैक बाउंस हो गया। इस पर तत्कालीन भाजपा कोषाध्यक्ष नरेश बंसल का फोन आया चेक बाउंस हो गया। मेरे ऊपर पचास लाख रुपये लाने का दवाब बनाया जाता था।

अपनी जांच से साफ होने के बाद हरक सिंह बेहद जोश में हैं और अब जाकर आरोप लगा रहे हैं। लेकिन इनसे पूछना चाहिये जब वह कांग्रेस छोड़ भाजपा में गये और यह सब हो रहा था, वह क्यों चुप थे? बहुत सीधी सी बात है पार्टियों और बड़े नेताओं पर आरोप लगते रहे हैं। यदि पार्टियों के लिये यही सब होता है तो बहुत शर्मनाम बात है। जो लोग/संस्था/संस्थान/फैक्ट्री पार्टियों को दबाव में मोटी राशि दे रहे हैं उनका भी कोई मकसद होता होगा। इसलिये सच का ही साथ होना चाहिये। गलत हमेशा गलत ही होगा।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

सामरिक जरूरत के लिये अतिरिक्त बल

पोर्ट ब्लेयर। अण्डमान और निकोवार कमान के कमाण्डर इन चीफ के. लेफ्टिनेंट दिनेश सिंह राणा ने कहा कि इस द्वीपसमूह की रणनीतिक अहमियत को समझते हुए विभिन्न अतिरिक्त क्षेत्रीय बलों को यहाँ तैनात किया जा रहा है। उन्होंने आतंकवाद सहित किसी भी खतरे को नाकाम करने के लिए द्वीपों की 24 घण्टे निगरानी की आवश्यश्कता पर बल दिया।

सिएटल में इंडिया की पहली बार परेड

न्यूयॉर्क। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सिएटल में पहली बार भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित 'इण्डिया डे परेड' में भारत के सभी राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां दिखाई गईं। भारतीय वाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता और शहर के मेयर ब्रूस हैरेल ने परेड को हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया।

सैन्य अभ्यास पर भड़के किम जोंग

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच जारी सैन्य अभ्यास की निन्दा की। साथ ही दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए देश की परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का संकल्प लिया। किम ने यह बात परमाणु सक्षम प्रणालियों से लैस सबसे उन्नत युद्धपोत का निरीक्षण करने के दौरान कही।

बांग्लादेश फरवरी 26 में आम चुनाव

ढाका। बांग्लादेश के कानूनी मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा कि देश की अन्तरिम सरकार अगले साल फरवरी में आम चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिक है। सरकारी संस्था बांग्लादेश संगवाद संस्था ने नजरुल के हवाले से कहा सरकार चुनाव की सभी तैयारियां करते हुए आगे बढ़ रही है।

आस्ट्रेलिया : सोशल मीडिया बच्चों को ना

सिडनी। अगले चार महीनों में आस्ट्रेलिया में लागू होने जा रहे एक कानून के तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के फेसबुक, स्नैपचैट, टिकटॉक, इंस्टाग्राम, एक्स, रेडिट और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया मंच का उपयोग करने पर प्रतिबन्ध लग जाएगा। संघीय सरकार ने कहा कि सोशल मीडिया कम्पनियों को 10 दिसम्बर तक इन नाबालिग उपयोगकर्ताओं के सोशल मीडिया खातों को हटाने और आयु सत्यापन सॉफ्टवेयर के माध्यम से इन्हें नए खाते बनाने से रोकने के लिये उचित कदम उठाने होंगे। इस कानून के तहत माता-पिता की अनुमति से भी बच्चों को इन सोशल मीडिया मंचों तक पहुंच नहीं दी जा सकेगी।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गिरफ्तार

कोलम्बो। सरकारी धन का दुरुपयोग के आरोप में श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को सीआईडी मुख्यालय में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप है कि उन्होंने 2023 में पत्नी मैत्री के दीक्षान्त समारोह में इंग्लैण्ड जाने के लिये सरकारी धन खर्च किया।

फसक

दाज्यू, फोड़ाफोड़ की राजनीति हो रही ठैरी

जोड़-जन्तर कर थिरकते रहो तो भ्रम बना रहता है बल

दाज्यू, प्रदेश में अपने सरजू और बिरजू ने कोहराम मचा दिया है। वैसे भी फोड़ाफोड़ की राजनीति हो रही ठैरी। जिला पंचायत के 5 सदस्य सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। दाज्यू, खूब बबाल मचा लेकिन इनकी पिकनिक हुई बल। कोई कुछ कह रहा है कोई कुछ। ज्यादातर कहने लगे अपहरण हुआ है लेकिन यह भी पक्के नेता हैं। कह रहे हैं- वह अपनी मर्जी से घूमने निकले हैं। इसके बाद एक वीडियो जारी कर कहने लगे वह भाजपा से जुड़े हैं और सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। दाज्यू, हम भी कह रहे हैं कि सब मिलकर काम करो लेकिन नैनीताल में मचे हंगामे के कई दिनों तक यह लोग अपने घर तक नहीं गये। तभी तो कह रहे हैं कि पक्के नेता हैं। वैसे भी घर जाकर क्या करना है। जोड़-जन्तर कर थिरकते रहो तो भ्रम बना रहता है बल। कलजुग में यही सब होने लगा है। झण्डा-डण्डा थामकर सोशल मीडिया में फोटू चेप दो। कहने वाले कहते रहेंगे 'टैम्पो हाय है।'

सीबीआई से क्लीन चिट मिलने के बाद हरक रावत ताव में हैं। दाज्यू, वह कह रहे हैं अब माला तभी पहनूंगा जब भाजपा को उखाड़ देंगे। दाज्यू, राजनीति में कब फोड़ाफोड़ हो जाए पता नहीं हैं। देखो अब क्या जो होने वाला है।

दाज्यू, हल्द्वानी में इवेंट मैनेजर पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज होने के बाद जाँच हो रही है। उत्तराखण्ड की मशहूर लोक गायिका का पति जोड़-जुगाड़ कर इवेंट करवाता है और उसने 40 वर्षीय महिला को शिकार बना दिया बल।

देहरादून में सेना का फर्जी जवान साइबर ठगी में धरा गया है बल। ओएलएक्स पर किराये का मकान लेने का झांसा देकर 12 लाख से अधिक की ठगी की थी। इस मामले में कलयाणपुर, भरतपुर (राजस्थान) का शरीफ मोहम्मद अब पुलिस चुट्टान में राज खोल सकता है। दाज्यू, रुद्रपुर के ट्रांजिट कैम्प में अश्लील वीडियो दिखाकर धमकाने वाला पुलिस ने पकड़ लिया है। मिथुन मण्डल नाम का ने पहले कभी नशा करवाकर महिला की वीडियो बना डाली थी और अब धमका रहा था।

दाज्यू, कुछ कहने लायक बचा ही नहीं है। खूब नंग्योई हो रही है। ऋषिकेश में गंगा भोगपुर स्थित एक रिजॉर्ट में चल रही रेव पार्टी का पुलिस ने मजा खराब कर दिया। रिजॉर्ट से नौ महिला डांसरों समेत 37 लोगों को गिरफ्तार किया है। रेव पार्टी का आयोजन पश्चिमी उ.प्र. के एक एग्रीकल्चर कम्पनी के एरिया मैनेजर ने किया था बल। इसका मकसद दुकानदारों और वितरकों को लुभाकर कम्पनी का उर्वरक बेचकर चार करोड़ रुपये के टारगेट को हासिल करना था।

दाज्यू, टनकपुर में नशेड़ी पिता ने अपनी नवजात बच्ची को बेच दिया। अस्पताल में जन्म लेने के बाद नशेड़ी ने सौदा कर दिया और घर आने पर जरे हंगामा मचा उसके बाद नवजात ले जाने वाला परिवार बच्ची वापस कर गया। दाज्यू, तभी तो कह रहे हैं कि पता नहीं कौन किसका कब सौदा कर डाले और जोड़-जन्तर कर थिरकने लगे। सावधान रहना होगा। पौड़ी में एक युवक जितेन्द्र कुमार ने अपने को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले सोशल मीडिया में एक वीडियो जारी किया था, इस मामले में भाजयुमो नेता समेत 5 गिरफ्तार हुए हैं।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

उत्तराखण्ड के.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

को अदालत में तलब किया। साथ ही कोर्ट की लाइव प्रोसिडिंग सोशल मीडिया में डालने पर चेताया। कहा कि लाइन प्रोसिडिंग को सोशल मीडिया पर अपलोड कर अपने सब्सक्राइबर बढ़ा रहे हैं, उनके खिलाफ लाइव स्ट्रीमिंग कानून के तहत कार्यवाही की जाएगी क्योंकि कुछ पोर्टल और यूट्यूबर कोर्ट की प्रोसिडिंग का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

जिला पंचायत चुनाव में एक मतपत्र में एक अधिकारी पर छेड़छाड़ कर ओवर राइटिंग करने के आरोप पर हाईकोर्ट ने मतगणना सम्बन्धित वीडियो और सीसीटीवी फुटेज देखने को कहा। कुल 22 मत पड़े जिसमें से 11 मत दीपा दर्मवाल को और 10 पुष्पा नेगी को मिले, जबकि एक मत रद्द हुआ है। इस रद्द मत में छेड़छाड़ का आरोप था। भारी सुरक्षा में नैनीताल डीएम कार्यालय में यह मामला देखा गया। साथ ही साथ पंचायत चुनाव में बबाल में सीओ समेत आठ पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। नैनीताल और बेतालघाट मामले में दस आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रदेश में पंचायत चुनाव के दौरान जगह-जगह हुए बबाल और विशेषकर नैनीताल जिला पंचायत के मुखिया के चुनाव में चली गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा के मानसून सत्र में जमकर हंगामा किया। गैरसैण में चले सदन में कांग्रेसी विधायक लगातार बहस करते रहे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन में हंगामे पर कहा है कि अपनी हार से बौखला कर कांग्रेस द्वारा यह हंगामा

पांचों जिपं सदस्य भाजपा पाले में

किया जा रहा है। कहा कि सरकार हर मुद्दे पर बहस के लिये तैयार है।

वर्तमान के हालातों पर नाराज होकर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या और वरिष्ठ विधायक प्रीतम सिंह ने विधानसभा की कार्यमंत्रणा समिति से इस्तीफा दे डाला। विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि पिछले कई विधान सभा सत्रों में कार्यमंत्रणा समिति में संख्या बल के आधार पर मनमानी का माहौल हो रहा है। वर्तमान मानसून सत्र में समिति की बैठक से पूर्व विधान सभा ने जो माननीय सदस्यों को मानसून सत्र का सम्भावित कार्यक्रम भेजा था उसके अनुसार विधानसभा का सत्र 19 अगस्त से लेकर कम से कम 22 अगस्त तक आहूत होना था। 18 अगस्त को बुलाई गई कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में केवल 19 अगस्त के उपवेशन का कार्यक्रम तय किया गया तथा 19 के उपवेशन के बाद दुबारा बैठक बुलाने की बात की गई थी, किन्तु काई बैठक नहीं बुलाई और 20 अगस्त को पूर्वाह्न में ही सत्र का अनिश्चित काल के लिये अवसान कर दिया। कार्यमंत्रणा समिति के सदस्यों को विश्वास में नहीं लिया गया।

जिन 5 जिला पंचायत सदस्यों को लेकर नैनीताल में बबाल मचा रहा वह कोर्ट में सुनवाई और निर्वाचन आयोग द्वारा परिणाम घोषित करने तक भी अपने घर नहीं गये बल्कि दीपा दर्मवाल को जिपं अध्यक्ष घोषित करने के बाद भाजपा के पाले में दिखाई दिये। बकायदा भाजपा के सजे मंच पर उनका माल्यार्पण किया गया। इन सदस्यों को लेकर जगचर्चा हो रही है कि आखिर ये किस प्रकार के जनप्रतिनिधि हैं। सोशल मीडिया पर इनके जाने का नजारा और फिर लगातार गुप्त रहने, उसके बाद सोशल मीडिया पर ही प्रकट हुए और कहा- 'हम अपनी मर्जी से घूमने निकले हैं' इसके बाद वह फिर गुप्त रहे और जब भाजपा प्रत्याशी दीपा दर्मवाल विजयी घोषित कर दी गई उसके बाद फिर दिखाई दिये। इस प्रकार चुनाव कार्यक्रम तो सम्पन्न हो चुका लेकिन आम जनता का सवाल गूंज रहा है कि मतदान वाले दिन जिपं सदस्य जिस प्रकार से 'घूमने गये' वह आश्चर्य है। इन सदस्यों पर कांग्रेस अपनी पार्टी का होने का दावा करती रही और इन्होंने कहा वह पुराने भाजपाई हैं। पार्टियों के बड़े नेता अपने बयान दे-देकर अभी भी फड़फड़ा रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

इतिहास

जोहार घाटी मध्यकाल

ल्वाँल क़ौम तथा ल्वाँल ढुँग

जगदीश सिंह बजवाल

जोहार घाटी के प्रथम काल के मानव हल्दुवा-पिड.लुवा या मध्यकाल के पंज्वारीयों के इतिहास को जानने की कोशिश करते हैं तो हमें चीनी ग्रन्थ- 'पान-कू'(Pan ku)कृत 'शिएन-ए-हान' (tisen-hun-su) व 'फान-शू' कृत 'फाउ-हान-शू' (How- hun-su) का अध्ययन करना भी अति आवश्यक होगा।

सिरदिरिया मध्य एशिया के खानाबदोश, बर्बर, यायावरी, आयुधजहबी जाति को जब बहुसंख्यक प्रभावशाली यू-ची जाति ने उन्हें अपने मूल स्थान से बाहर खदेड़ दिया तब वे दक्षिण, पश्चिम एशिया, तिब्बत के हिमालयी कन्दराओं तक टोलियों में भी पहुँच गए। पान-कू ग्रन्थ में शक, हूण, पार्थियन के संघर्ष का सविस्तार दिया है। प्रथम काल के जोहारी शक थे। जोहार के ल्वाँल, रलम्वाल इन्हीं के वंशज हैं। इसमें शक शंका कम ही है।

जोहार घाटी में हेलंबा जाति की समाप्ति, ल्वाँल, रलम्वाल का प्रभाव, जन-धन-बल में प्रभावशाली मगोलयाड मुख मुद्रा, बलिष्ठ शरीर, तिब्बती-चीनी भाषाई परिवार पूर्व में कबिलाई जनजाति धर्म के अनुयाई रहे हैं किन्तु 12वीं 13वीं शताब्दी में तिब्बत में बौन, बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार से इन धर्मों की ओर आकृष्ट हो गये।

जोहार घाटी के ल्वाँल शासक, ल्वाँल ठाकुर कत्यूरी व चंद शासन के करद भी रहे हैं। ये तिब्बत सरकार के 90 भेली ठल (कर), भी चुक्ता करते थे। अधोगति हो जाने के कारण भी ड.लिम-ड.ठिम अपरिवर्तनीय कर 9 भी अदा करते ही थे।

प्रारम्भ में पंज्वारी जनजाति धर्म पर ही आस्था रखते थे। प्रकृति देवी-देवता -नदी, पर्वत, जंगल ,पाषाण खण्ड, लिंग पूजा आदि चमत्कारी शक्तियों की पूजा -अराधना करते थे। समयानुसार उनके धर्म, आस्था में भी परिवर्तन आ गया।

प्रथम काल के जोहारी स्थाई रूप जोहार में रहते थे, मध्य काल के जोहारी पंज्वारी तिब्बत-भारत सीमा क्षेत्र के तिजारती हो गये, तिब्बत व माल तक घाट(हिमालयी दर्रे)खुल गया(कत्यूरी, चंद शासन तक तिजारत करते रहे थे। सुनपति शौका प्रसिद्ध पुरुष ल्वाँल, रलम्वाल वंशज से ही सम्बन्ध रखता था।

ल्वाँल क़ौम के लोग जोहार घाटी में ल्वाँ, मर्तोली गाँव में रहते थे। गोरीफाट माल क्षेत्र (मुनस्यारी) जलथ गाँव के अधिपति थे। आज अन्य अवशेष ल्वाँल धारा प्रामाणिक भी है। अतीत की घटित घटना ल्वाँलों के गाँव जलथ के उत्तरी छोड़ से पर्वत चोटी का बहुत बड़ा भाग भूस्खालन के कारण टूट-फूटकर कंकड़ -पाषाण खण्ड सहित बहुत बड़े क्षेत्र में बड़े बोल्डरों के साथ साथ छोटे पाषाणों का बिखराव गोरी नदी किनारे तक जा पहुँचा है। वर्तमान में इन्हीं पाषाण खण्डों के

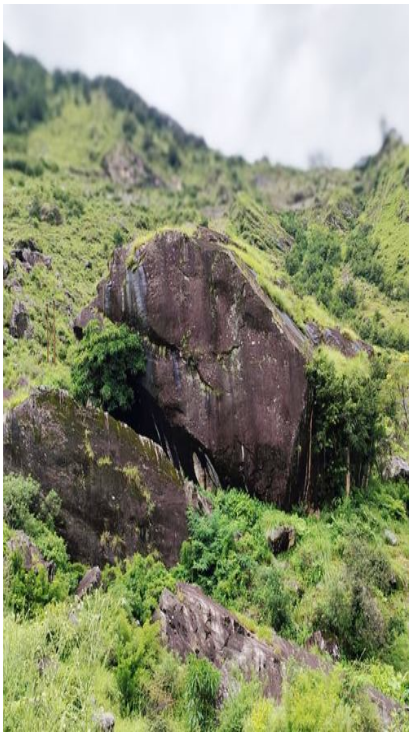

इनारे-किनारे दरकोट, मल्ला दुम्मर तथा तल्ला दुम्मर पाषाण खण्डों के ढेर के बीच बसा गाँव है। बलिष्ठ भीमकाय शरीर धारण करने वाले ल्वाँल मानवों के विषय में किवन्ती, जनुश्रुति लोगों के मुहवाणी से आज भी सुनी जाती है कि जलथ गाँव के उत्तरी छोर पर प्रतिष्ठापित तराशे गए गोलाकार भीमकाय पाषाण खण्ड (ल्वाँल ढुंगा) जो भूस्खलन की चपेट में आकर गोरी नदी किनारे वर्तमान तल्ला दुम्मर के 'गंगोरी सेन' तक जा पहुँचा। जिससे ल्वाँल लोग दुखी हो गये। पत्थर के आकार नुमा उस भूमि की बनावट से अनुमान लगाया जा सकता है तथा पत्थर बराबर मैदान आज भी स्पष्ट, लोगों की बसासत है।

ल्वाँल अपने आस्था के पत्थर को वापस लाने हेतु कटिबद्ध होकर नदी किनारे पहुँच गए। ल्वाँल अपने कटक के साथ नदी किनारे पहुँचे और जोर अजमाइश करने लगे, मात्र 100 मीटर चढ़ाई तक लाए थे तभी सन्तुलन बिगड़ने से सारे बलिष्ठ ल्वाँल पत्थर के नीचे दबकर वहीं दफन हो गये। तब से ल्वाँलों की अधोगति शुरू हो गई, जनसंख्या भी न्यून रह गया तथा जो कुछ बच्चे घरों में रह गये थे, आज के ल्वाल उन्हीं के सन्तानें है। इनमें से आधे ल्वाँलों को आधुनिक जोहारियों द्वारा मुल्क छोड़ने को विवश कर दिया गया था। बाद में सभी रक्त सम्बन्ध के चलते जोहारी कहलाए जाने लगे।

वर्तमान में ल्वाँल मल्ला दुम्मर, क्वीरी, बौना, गिरगांव, तोमिक तथा शहरों में नौकरी पेशे के चलते भी रहने लगे हैं, परिवार सीमित हैं।

'ल्वाँल ढुँगा' (पाषाण खण्ड) भीमकाय आकार लिए ऐसा लगता है मानो बहुत बड़े क्षेत्र में फैले, बीच स्थित होकर अन्य पाषाण खण्डों का प्रतिनिधित्व कर रहा है। ऐतिहासिक पाषाण खण्ड दृष्टिगत धरोहर के रूप में विद्यमान है जिसे पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए तो स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के अवसर सुलभ हो सकता है। हमें सबका ध्यानाकृष्ट करते हुए अपने इतिहास की गरिमा को बनाए व बचाऐ रखना भी है। सत्यता आधारित लेखन से किसी को भी गुरेज न हो यही आशा करते हैं।

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

ज्योतिष की बातें- 244

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य कोई भी ग्रह का गोचर परिवर्तन नहीं हो रहा है। सूर्य स्वराशि सिंह में, बुध व शनि समराशि सिंह व मीन में क्रमशः, मंगल, बृहस्पति व शुक्र शत्रुराशि में कन्या, मिथुन व कर्क में क्रमशः गोचर करेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह वृश्चिक, धनु, मकर व कुम्भ राशि में क्रमशः गोचर करेगा।

3 अगस्त 2025 को बुध सिंह राशि में पूर्व दिशा में अस्त हो जाएगा। अतः अगले 30 दिन बुध से प्राप्त शुभाशुभ फलों में न्यूनता प्रतीत होगी।

वामन द्वादशी- भाद्रपद शुक्ल पक्ष की द्वादशी मध्याह्न व्यापिनी तिथि को अभिजित् मुहूर्त में भगवान विष्णु का पाँचवा अवतार भगवान वामन के रूप में प्रयाग में हुआ था। तदनुसार बृहस्पतिवार 4 सितम्बर 2025 को वामन द्वादशी का पर्व मनाया जाएगा।

अनन्त चतुर्दशी- भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी सूर्योदयानन्तर न्यूनतम द्विमुहूर्ता तिथि में अनन्त चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। तदनुसार शनिवार 6 सितम्बर 2025 को अनन्त चतुर्दशी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन शेषशायी भगवान विष्णु का पूजन किया जाता है।

चन्द्र गहण- भाद्रपद पूर्णिमा रविवार 7 सितम्बर 2025 को रात्रि में लगने वाले चन्द्र ग्रहण का सूतक दिन में 1 बजे से ही प्रारम्भ हो जाएगा। पूर्णिमा व्रत की पारणा अगले दिन सूर्योदय के बाद ही हो सकेगी।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 134

एलोपैथी का कहर

जो कुछ कहना हो अभी कह दो, अन्त समय में आपकी बात सुनने के लिए कोई नहीं होगा। जिस समय अन्तिम बात अपने बहू-बेटों से कहने के लिए आपके होंठ फड़फड़ा रहे होंगे, उस समय वे सबके सब डाक्टर और नर्स को बुलाने के लिए दौड़ लगा रहे होंगे। फिर नर्स के आते ही मुँह पर ढक्कन लगाकर हाथ भी बांध दिए जाएंगे और उसी अवस्था में प्राण निकल जाएंगे।

उसके पहले जब आप चलने फिरने लायक नहीं रहेंगे, बिस्तर पर ही पड़े होंगे तब वह मनपसन्द चीज आपको पीने के लिये बेटे लाकर नहीं देंगे, जिसको आप जीवन भर पीते रहे, भले ही आपके बेटे उसे पीते हों। समोसा बहुत पसन्द थे, वह नहीं मिलेंगे क्योंकि उससे बीपी बढ़ने का आशंका रहेगी। जलेबी भी नहीं मिलेगी क्योंकि उससे शुगर बढ़ने की आशंका रहेगी। जीवन भर आपने जो दूध घी मक्खन खाया वह आपके बेटे लाकर नहीं देंगे क्योंकि उनके अनुसार उससे कालेस्ट्राल बढ़ने का भय रहेगा। जब आप केले, भात, दही जैसी चीजें खाने के लिए मांगेंगे तो घर के लोग कहेंगे इससे कफ़ बढ़ेगा, तबीयत और बिगड़ जाएगी। इस प्रकार आप सारी मनपसन्द चीजों से वंचित रह जाएंगे। आपको अपने मित्रों से मिलने के लिए भी कम कर दिया जाएगा क्योंकि अधिक बोलने से भी बीपी बढ़ता है। इस प्रकार मृत्यु के क्षण तक घुटन भरी जिन्दगी जीनी पड़ेगी।

विचार करें, इसका कारण क्या है? इसका कारण है- एलोपैथिक सिद्धान्त। यह एलोपैथिक सिद्धान्त एलोपैथिक दवा से भी अधिक भयंकर है।

- ओंकार नाथ कोष्टा

धराली के बाद थराली में तबाही

चमोली। थराली तहसील के टूनरी गधेरा में बादल फटने से बाजार, कोटदीप, तहसील परिसर में काफी मलबा आ गया। इसके अलावा चेपड़ों और सागवाड़ा सहित कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। बचाव और राहत कार्य के लिये गोचर से एनडीआरएफ और आईटीबीपी, ग्वालदम से एसएसबी पहुंचे। उत्तरकाशी के धराली में हुई भारी तबाही के बाद चमोली के थराली में इस घटना ने डरा दिया है। थराली तहसील परिसर राड़ीबगड़ में एक बरसाती गधेरे में अचानक उफान से एसडीएम आवास सहित कई मलबे में दब गया। एसडीएम समेत अन्य ने रात में ही आवास छोड़कर सुरक्षित जगह में शरण ली।

श्रद्धांजलि

पत्रकार निर्मल उप्रेती को पितृ शोक

अल्मोड़ा। पत्रकार निर्मल उप्रेती के पिता बाल कृष्ण उप्रेती का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 20 अगस्त को कपीना मोहल्ले स्थित अपने आवास पर उन्होंने अन्तिम सांस ली। पिघलता हिमालय परिवार स्व.उप्रेती को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

रंगकर्मी जुगल किशोर पेटशाली

अल्मोड़ा। वरिष्ठ रंगकर्मी और लेखक जुगलकिशोर पेटशाली का 20 अगस्त को उनके पैतृक गांव पेटशाल में निधन हो गया। 79 वर्षीय पेठशाली जी लोक संस्कृति के सजग पहरु थे और तमाम जानकारियों को रखते थे। पिघलता हिमालय परिवार के साथ उनका शुरु से ही जुड़ाव था और सांस्कृतिक मुद्दों पर वह बराबर सम्पर्क में रहते। पिघलता हिमालय परिवार स्व.पेठशाली को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दारमा घाटी में गबला पूजन का उत्सव धूमधाम के साथ सम्पन्न

धारचूला। सीमान्त की दारमा घाटी में गबला पूजन का उत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ। दुग्तू में हर साल की भांति इस बार भी गबला मेले में ग्रामवासी सम्मलित हुए और गबला देव का विधिपूर्वक पूजन किया गया। 17 ग्राम के लोगों ने शामिल होकर प्राचीन शिव मन्दिर में मनौती मांगी। रात्रि में परम्परागत रूप से भजन कीर्तन के साथ प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सेनि.प्रधानाचार्य सुन्दर सिंह दुग्ताल, चन्द्र सिंह सीपाल, जीवन सिंह दुग्ताल, मेला समिति के पदाधिकारी मुख्य रूप से मौजूद थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रीमती पुष्पा दुग्ताल के मंगलाचरण गीत से हुआ। ग्रामों की सभी टीमों ने अपनी सुन्दर प्रस्तुतियों से लोक जीवन उर्मगित किया। अपनी भाषा और वेशभूषा में भागीदारी कर हरे ग्रामीणों ने परम्परागत खेलों के अलावा कुर्सी दौड़, रस्साकस्सकी, बालीबाल प्रतियोगिता में भागीदारी की।

महिला एकता मंच का मालधन बन्द

रामनगर। नशा नहीं इलाज दो की मांग को लेकर महिला एकता मंच ने जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए मालधन बन्द किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से फिजिशियन डॉ. अर्चना कौशिक के स्थानान्तरण रद्द करने, अस्पताल में मानकों के अनुरूप चिकित्सकों की मांग समेत अन्य मांगों को लेकर यह बन्द प्रदर्शन किया गया।

भारत-चीन व्यापार की आस जगी

पिथौरागढ़। कोरोना काल से बन्द भारत तिब्बत (चीन) व्यापार के अब फिर से लिपुलेख दर्रे से शुरू होने की आस जगी है। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच हुए समझौते के अनुसार उत्तराखण्ड के लिपुलेख दर्रे, हिमाचल के शिफली और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से व्यापारिक गतिविधियां शुरू होंगी। भारत तिब्बत व्यापार समिति धारचूला के अध्यक्ष जीवन सिंह रौंकली ने कहा कि 5 साल से मण्डी डम्प है। अब खुलने की खुशी हो रही है।

बनभूलपुरा दंगे पर मलिक को राहत नहीं

हल्द्वानी। हाईकोर्ट ने बनभूलपुरा दंगे के मुख्य साजिशकर्ता अब्दुल मलिक व अब्दुल मोईन को अभी तक कोई राहत नहीं दी है। जबकि अन्य आरोपित निजाम व शारिक सिद्दीकी को जमानत पर रिहा करने का निर्णय सुनाया। बनभूलपुरा मामले में कोर्ट से अब तक 50 से अधिक आरोपितों की जमानत हो चुकी है।

कांग्रेस आक्रामक मूड में, हरक रावत भी बरसे

देहरादून/हल्द्वानी। कांग्रेस आक्रामक मूड में आ चुकी है। नैनीताल पंचायत चुनाव प्रकरण और मानसून सत्र में विपक्ष के हंगामे के बाद से प्रदेश में कांग्रेस की एकजुटता और प्रदर्शन ने संगठन में जान फूंकी है। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत भी जिस तरह से राजनीति की बरसात में बरस रहे हैं उसने ताकत दी है।

भाजपा से लगातार पछाड़ खाने के बाद कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि अब आर-पार की लड़ाई होगी। आरोपों से घिरे रहने वाले हरक सिंह रावत ने भाजपा में बिताये अपने दिनों को बताते हुए भाजपा पर गम्भीर आरोप लगाये हैं। आने वाले दिनों में यह धार तेज होगी।

सरजू परियोजना पर आयोग ने मांगे सुझाव

देहरादून। उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग ने सरजू-तृतीय लघु जलविद्युत के टैरिफ निर्धारण को लेकर हितधारकों से 8 सितम्बर तक आपत्ति व सुझाव मांगे हैं। इस अवधि में प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के बाद टैरिफ निर्धारण पर फैसला लिया जाएगा। इसके अलावा आयोग ने 12 सोलर प्लान्ट स्थापित करने की समयावधि पर भी आपत्ति मांगी है। आयोग ने बागेश्वर स्थित सरजू-तृतीय लघु जलविद्युत परियोजना के परियोजना विशिष्ट टैरिफ में संशोधन के सम्बन्ध में आम जनता से सुझाव एवं आपत्तियां मांगी हैं। यह प्रक्रिया अपीलीय अधिकरण (एटीई) के मार्च के आदेश के अनुपालन में की जा रही है। आयोग ने बताया कि प्राविधानों के तहत लघु जल विद्युत परियोजनाओं के टैरिफ को संशोधित किया गया है, जिसमें संचालन एवं रखरखाव व्यय मानकों को भी सम्मिलित किया गया है। अब एटीई के निर्देशानुसार इस विषय पर पुनः विचार विमर्श और पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया शुरू की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया कि इस आदेश के फलस्वरूप भविष्य में टैरिफ निर्धारण पर प्रभाव पड़ सकता है, इसलिये सभी हितधारक अपने पक्ष प्रस्तुत करें।

अतिथि शिक्षकों की चितई में गुहार

अल्मोड़ा। लम्बित मांगों के निराकरण न होने से अतिथि शिक्षकों में रोष है। नाराज शिक्षकों ने चितई मन्दिर में अर्जी लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। साथ ही जनवरी और जून का मानदेय देने की मांग उठाई।

अतिथि शिक्षकों ने कहा कि वह बीते दस साल से दुर्गम और अति दुर्गम विद्यालयों में सेवा दे रहे हैं। पूरी निष्ठा से पठन-पाठन कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके बाद भी सरकार उनके हितों का शोषण कर रही है। वह बीते एक साल से जनवरी और जून का मानदेय देने की मांग कर रहे हैं। इसका सीधा असर उनकी आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। कई बार सरकार से निवेदन करने पर भी सुनवाई नहीं हुई है। इससे उनका भविष्य अन्धकार में जा रहा है। उन्होंने न्याय की गुहार में सरकार और शिक्षा विभाग को सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। कमला वाणी सहित कई शिक्षक थे।

बागजाला में किसान महासभा की बैठक

हल्द्वानी। गौलापार के बागजाला गाँव में रह रहे अधिकांश ग्रामीण आजादी से भी पहले से इस क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। खेती-किसानी, पशुपालन और स्वरोजगार के बल पर अपनी आजीविका चलाने वाले इन परिवारों की आज जमीन और अधिकार पर संकट मडरा रहा है। बच्चों की शिक्षा के लिये गाँव में चार आंगनबाड़ी केन्द्र और तीन प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। ग्रामीणों के अनुसार 1978 में उ.प्र. सरकार द्वारा उन्हें 90 वर्षों के लिए भूमि के पट्टे दिए गए थे, जिनका हर 30 वर्ष में नवीनीकरण होता है। 2008 में भूमि का नवीनीकरण नहीं किया गया और न ही गाँव को राजस्व ग्राम घोषित किया गया है। अब इन्हीं ग्रामीणों को अतिक्रमणकारी बताकर हटाने की कोशिश की जा रही है।

इन्हीं सब बातों को लेकर अखिल भारतीय किसान महासभा के पराधिकारियों की बैठक में आन्दोलन की रणनीति बनाई गई। प्रदेश अध्यक्ष आनन्द सिंह नेगी ने सरकार पर गरीबों को उजाड़ने का आरोप लगाया।

बद्रीनाथ मास्टर प्लान विरोध में सिर मुंडवाए

चमोली। मास्टर प्लान और प्राधिकरण के खिलाफ बद्रीनाथ में जनता ने प्रदर्शन तेज कर दिया है। माणा, बामणी, लामबगड़, गोविन्दघाट के लोगों, पण्डा पंचायत, होटल एसोशिएशन और व्यापारियों ने विशाल रैली निकाले के साथ ही विरोध में सिर मुंडवाए। साकेत तिराहे पर पर धरना प्रदर्शन में अशोक टोडरिया, अक्षय मेहता, दीपक राणा ने ने सरकार को चेतावनी देते हुए सर मुंडवाए।

परिक्रमा

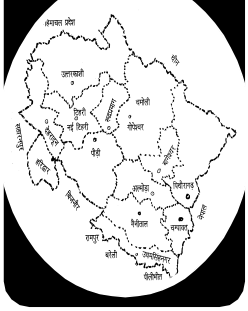

चीन सीमा में पक्के निर्माण की रिपोर्ट

देहरादून। केन्द्र सरकार ने चीन सीमा से सटे मुनस्यारी में वन संरक्षण अधिनियम 1980 के उल्लंघन के मामले में प्रदेश सरकार से व्यापक कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के देहरादून स्थित कार्यालय ने मुख्य वन संरक्षक (कार्ययोजना) संजीव चतुर्वेदी के पत्र के आधार पर यह कार्यवाही करने को कहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लीक से हटकर.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

एक अलग ही विचित्र थ्योरी देने का दुस्साहस कर दिया। कहा कि ऋग्वेद वगैरह तीनों वेद बाद में लिखे गए और अथर्ववेद सबसे पुराना वेद है, क्योंकि इसमें आदिम सभ्यता का विवरण मिलता है। पश्चिमी विद्वानों को आदिम सभ्यता सिर्फ जादू-टोने की सभ्यता नजर आती है और चूँकि उनके हिसाब-किताब से अथर्ववेद में सिर्फ जादू-टोना है, इसलिए यह ऋग्वेद आदि बाकी तीनों वेदों से प्राचीनतम है। अब इस पर क्या कहें? इस तरह के जल्दबाज और मसखरे निष्कर्ष इस भ्रान्ति पर टिके हैं कि चार वेद एक के बाद एक लिखे गए, जबकि हम देख आए हैं कि वैदिक मन्त्रों की रचना लगातार तीन हजार सालों तक होती रही और चार वेदों में मन्त्रों को बार-बार संकलित किया जाता रहा। जाहिर है कि सभी वेदों के मंत्र इस लम्बे कालखण्ड में एक साथ, आगे-पीछे लिखे जाते रहे और किसी एक वेद के पहले या बाद में लिखे जाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। पर चलिए, पश्चिमी विद्वानों की जादू-टोने की और इसलिए अथर्ववेद के सर्वप्राचीन और आदिमयुगीन होने की बात मान ली। पर क्या आदिम सभ्यता का, उसके जादू-टोने का कोई ऐसा साहित्य भी होता है, जो इतना कालजयी और चिरजीवी हो जाए? कृपया किसी दूसरे देश की आदिम सभ्यता का जादू-टोने का कोई ग्रन्थ बतलाइए, जो अथर्ववेद जैसा कालजयी हो गया हो ताकि हम मान सकें कि फूहड़ किताबें भी कालजयी हो जाती हैं? बाकी वेदों की तरह अथर्ववेद में भी अपने जमाने के उत्कृष्टतम मन्त्रों का संकलन है और ठीक इसी वजह से यह वेद भी अन्य वेदों के समाज आज तक सम्मान का पात्र बना चला आ रहा है।

पर अगर हमारी बात इतनी ही सही है तो फिर क्यों नहीं हमारी परम्परा में भी अथर्ववेद को स्वर्ग प्राप्ति का वैसा ही साधन माना गया, जैसे ऋग्वेद आदि को मान लिया गया? इस सवाल का जवाब समझने की कोशिश की जाए ताकि यह भी समझ में आ सके कि कैसे अथर्ववेद एक विलक्षण ग्रन्थ है, लीक से हट कर संकलित कर दिया गया एक वेद है। जवाब यह है कि जहाँ बाकी वेदों में उन मन्त्रों का संकलन है, जिसमें ऋषि-कवियों ने प्रकृति के विभिन्न रूपों, स्थितियों और आयामों को देवता रूप देकर उनकी स्तुति की है, वहाँ अथर्ववेद में उन मन्त्रों का संकलन बहुत ज्यादा किया गया है, जो देवताओं से कम और जीवन के रोजमर्रा के यथार्थ से ज्यादा जुड़े हैं। मसलन, जहाँ ऋग्वेद में देवता के रूप में इन्द्र और अग्नि छाए हुए हैं और उसके आधे सूक्तों (करीब साढ़े चार सौ) पर ये दोनों देवता छाढ हुए हैं, वहाँ अथर्ववेद में उन दोनों का वैसा महत्व नहीं है। उसके विपरीत अथर्ववेद में जमीन से जुड़े पदार्थों को, रोजमर्रा के जीवन के काम आने वाली चीजों को ही थोड़ा ज्यादा महत्वपूर्ण बना दिया गया है।

मसलन, अथर्ववेद में ऐसे मन्त्र काफी हैं, जिनमें रोगों का दूर करने का विषय उठाया गया है, तरह-तरह के रोगों और औषधियों के नाम इसमें मिल जाते हैं, जिसके आधार पर कोई चाहे तो तात्कालिक चिकित्सा विज्ञान का पूरा तानाबाना खड़ा कर सकता है। भवन निर्माण, खेती, व्यापार कर्म आदि से जुड़े अनेक सूक्त अथर्ववेद में हैं। मनुष्य के मन की गहरी छानबीन हमें पाप और प्रायश्चित की चिन्ता करने वाले मन्त्रों में मिल जाती है। राजतन्त्र चलता रहे, इसकी फिक्र करने वाले तरह-तरह के सूक्त अथर्ववेद में हैं। इन सबके साथ इस वेद में कालसूक्त, सकम्भसूक्त जैसे विराट दार्शनिक सूक्त इसे अलग छवि दे देते हैं। तो भूमिसूक्त, वृष्टिसूक्त, दुन्दुभि सूक्त जैसे सूक्तों में अथर्ववेद के कवियों की काव्य प्रतिभा अपने चरम पर है।

तो जीवन के यथार्थ, कल्पनाशीलता और चिन्तन से भरपूर अथर्ववेद के बारे में यह छवि क्यों बनी कि इसमें जादू टोना है? पश्चिमी विद्वानों को यह कहने का दुस्साहस कैसे हुआ कि इसमें आदिमपन (जंगलीपन) है? कारण है। कारण वे सूक्त हैं, जिनमें स्त्रियों के मनोभावों का वर्णन है, जिन्हें एक परवर्ती ग्रन्थ कौशिक सूत्र ने निकम्मेपन और मूर्खता की हद तक अन्धविश्वास का ध्वजवाहक बना दिया। स्त्रियाँ कोमल स्वभाव की होती हैं तो इसमें स्त्रियों का भला क्या दोष? यह प्रकृति की देन ही तो है। अगर कोई स्त्री अपने पति को दूसरी स्त्री के साथ नहीं देख पाती तो उसमें गलत क्या है? पुरुष भी तो अपनी पत्नी को दूसरे पुरुष के साथ कहाँ सह पाता है? अगर विदेश गए पति को वापस लाने के लिए कोई स्त्री जतन से उलाहती है तो इसमें कुछ गलत है क्या? नहीं है और चारों वेदों में यह श्रेय अथर्ववेद को जाता है कि उसने स्त्रियों के इन मनोभावों को कहीं सपाट तो कहीं काव्यात्मक शैली में पेश कर दिया है। अब देखिए कि एक परवर्ती ग्रन्थ कौशिक सूत्र ने इन मनोभाव-चित्रणों को कैसे अन्धविश्वासों की ओढ़नी पहना दी है। एक ही उदाहरणसे तस्वीर साफ हो जाएगी। मसलन, एक सूक्त है, जिसमें एक स्त्री अपनी सौत के प्रति विद्वेष में भरी हुई है। क्या गलत है इसमें? पर अब कौशिक सूत्र का खेल शुरू होता है।

सूत्र कहता है कि स्त्री अपनी सौत की एक मिट्टी की प्रतिमा बनाए, इस सूक्त मन्त्र पढ़ कर उस पर तीर फेंके तो सौत मर जाएगी। अब बताइए, अन्ध विश्वास का शिकार कौन है। अथर्ववेद? या कौशिक सूत्र और पश्चिमी विद्वान। अथर्ववेद तो सही-सलामत, सहज और जमीन से जुड़ा, इसलिए लीक से हटा नजर आता है। पर चूँकि इसके अधिकांश मन्त्र यज्ञ के काम नहीं आ पाए। इसलिए उन्हें अन्धविश्वासों के दरिया में धकेल दिया गया। और धकेला किसने? हमने। तो उसमें अथर्ववेद का क्या कसूर? उसे तसल्ली से पढ़ने और समझने की कोशिश क्यों न की जाए?

(साभार नवभारत टाइम्स)

छात्र संघ चुनाव को लेकर तैयारी
छात्र गुटों में होने लगी जूतमपैजार

हल्द्वानी। नेतागर्दी के रंग में रंगा उत्तराखण्ड अब छात्र संघ चुनाव के लिये तैयार है। प्रदेश के कालेजों में छात्र नेता और उनके बाहरी समर्थक चुनाव के मूड में जुटे हैं। इन्हें गत वर्ष चुनाव न होने का दर्द भी बना हुआ है। चुनावों के इस झमेले से आम छात्र-छात्राएं बचना चाहते हैं क्योंकि समय से प्रवेश, परीक्षा और परीक्षाफल उनका लक्ष्य है। अब चुनाव चक्कर की राजनीति समझना हर किसी के बस की बात नहीं। इसके पीछे छात्रों के अलावा बड़े राजनेता भी पर्दे के पीछे से संचालन कर रहे होते हैं।

एमबीपीजी कालेज में चुनाव प्रचार शुरू कर दिया गया है और गुटों का आपसी भिड़ना भी दिखाई दिया है। आपस में खूब जूतमपैजार देखने को मिली है।

पहाड़ के तमाम कालेजों में सीट बढ़ाए जाने का आन्दोलन भी छात्र नेताओं का अपनी ओर ध्यान आकर्षण करने का उपाय है। लोहाघाट में सीट बढ़ाने, टनकपुर में विषय बढ़ाने, गंगोलीहाट में एमए की कक्षाएं शुरू करने की मांग को लेकर आन्दोलन चल रहा है।

इस बीच कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत की अध्यक्षता में बर्चुअल बैठक में एसएसजे विवि अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट तथा श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो. एन.के.जोशी ने छात्रसंघ चुनाव में चर्चा की। सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि छात्रसंघ चुनाव तीनों राज्य विश्वविद्यालयों में एक ही दिन कराए जाएंगे। बाद में घोषणा की गई कि छात्र संघ चुनाव 27 सितम्बर को होंगे। ऐसे में यह तो माना ही जा रहा है कि इस बार छात्र संघ चुनाव निश्चित रूप से होंगे।

टनकपुर-बागेश्वर रेलवे लाइन का सर्वे पूरा, डीपीआर तैयार

देहरादून। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में नैनीताल के सांसद अजय भट्ट द्वारा पूछे गये एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सदन को सूचित किया कि टनकपुर बागेश्वर नई लाइन (170 किमी) के लिए फील्ड सर्वेक्षण पूरा हो गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की लागत 48692 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस परियोजना में यातायात सम्भावनाएं कम हैं। रेल मंत्रालय ने बताया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से आवश्यक अनुमोदन स्वीकृत करना सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं की जा सकती है।

दमुवाढूंगा भूमि मालिकाना हक पर श्रेय लेने की होड़

हल्द्वानी। दमुवाढूंगा वासियों को भूमि का मालिकाना हक मिलने की सूचना पर नेताओं में इसका श्रेय लेने की होड़ मची है। भाजपा और कांग्रेस के नेता इस लड़ाई में अपने को उजागर करना चाह रहे हैं जबकि सारी सच्चाई जनता जानती है। 1950 से लोगों का दमुवाढूंगा में बसना शुरू हुआ। भूमि पर मालिकाना हक के लिये छिड़े आन्दोलन को नेतागण अपने चुनावी लाभ में बदलना चाहते रहे हैं। डीएम नैनीताल ने 29 अप्रैल 2025 को शासन को इसका प्रस्ताव भेजा था। अब दमुवाढूंगा में राजस्व विभाग की ओर से धारा 48 लागू कर दी गई है। इससे जमीन के अभिलेख बनाने का रास्ता साफ हो चुका है।

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क-
05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चुनावी रंजिश में हमले और एक दूसरे की पोल खोल रहे हैं नेता

तराई में जबर्दस्त प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग में भी बबाल

ठुकराल ने दिया धरना

बाजपुर में मंत्री पुत्र अपहरण का केस निरस्त

लाखन व कैड़ा का एक-दूसरे पर आरोप

विधायक सुमित व मण्डी समिति प्रमुख अनिल डब्बू का प्रहार

बेतालघाट में फायरिंग के तीन आरोपी पकड़े गये

पंचायत चुनाव निपटने के बाद से प्रदेश में अराजकता बढ़ती जा रही है। चुनावी रंजिश में हमले और एक-दूसरे को धोते हुए नेतागण दिखाई दे रहे हैं। नैनीताल जिला पंचायत का मामला चारों ओर छाया है कि किस प्रकार खुल्लम-खुल्ला तमाशा हुआ। इसके अलावा भी बबाल कम नहीं हैं। ऊधमसिंह नगर के किच्छा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दरऊ में दिनदहाड़े अंधाधुंध फायरिंग में भाजपा समर्थित नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान के 19 वर्षीय भतीजे की गोली लगने से मृत्यु हो गई जबकि प्रधान पुत्र ने किसी तरह अपनी जान बचाई। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप कांग्रेस समर्थित पराजित प्रत्याशियों एवं समर्थकों पर लगाया है। बेतालघाट क्षेत्र पंचायत चुनाव के दौरान हुए गोलीकाण्ड में राज्य चुनाव आयोग ने सीओ भवाली प्रमोद साह के विरुद्ध विभागीय जाँच और थानाध्यक्ष बेतालघाट अनीश अहमद को निलम्बित करने हुए कार्रवाही को कहा।

कांग्रेस के प्रतिनिधि मण्डल ने राज्यपाल गुरमीत सिह को ज्ञापन सौंपकर राज्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने तथा राज्य सरकार को कानून व्यवस्था पर निर्देश देने की मांग की। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में राज्यपाल से शिकायत में आरोप लगाया कि हाल में सम्पन्न त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में व्यापक धांधली हुई और सरकारी संरक्षण में सत्ताधारी दल द्वारा गुण्डागर्दी, गोलीबारी तथा अपहरण की घटना हुईइस बीच बेतालघाट ब्लाक के सिरोडी गाँव में डेमोग्राफी चेंज, जमीनों की खरीद फरोख्त, वन भूमि हस्तान्तरण के भवन निर्माण समेत कई अन्य बिन्दुओं पर जाँच शुरू कर दी गई है।

तराई क्षेत्र रुद्रपुर, काशीपुर, बाजपुर, जसपुर, सितारगंज, खटीमा में कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार का पुतला फूंकते हुए आरोप लगाया है कि पंचायत चुनाव में लोकतन्त्र की हत्या हुई। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर मुकदमे दर्ज होने से भड़के कार्यकर्ताओं ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष और विधायकों के साथ दुर्व्यवहार के अलावा मामला दर्ज कराना अत्याचार की हद है। गदरपुर ब्लाक प्रमुख चुनाव में नवनिर्वाचित 5 क्षेत्र पंचायत सदस्यों को वोटिंग से वंचित रखने का आरोप लगाते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल सांकेतिक धरना किया। बाजपुर में ब्लाक प्रमुख चुनाव में उप्र के कृषि राज्यमंत्री बल्देव के पुत्र गुरकीरत सिंह, ब्लाक प्रमुख पति जोराबर सिंह व नगर पंचायत केलाखेड़ा के पूर्व चैयरमैन हामिद अली के विरुद्ध दायर अपहरण केस निरस्त हो चुका है। प्राथमिक दर्ज करवाने वाले व्यक्ति ने दबाव में यह सब करने की बात कही है।

पिथौरागढ़ में कांग्रेस पार्टी ने जिलाध्यक्ष अंजू लुण्ठी के नेतृत्व में जबर्दस्त प्रदर्शन किया और पंचायत चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। कहा कि भाजपा सरकार की मंशा शुरू से ही साफ नहीं थी। पहले पंचायत चुनाव सात माह तक टाले गये। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद चुनाव हुए लेकिन चक्रीय क्रम को तोड़ कर मनमाने ढंग से आरक्षण तय कर दिया गया। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग के सामने इसका विरोध किया लेकिन सत्ताधारी दल के दबाव में लोगों पर मनमाना आरक्षण थोप दिया गया। नैनीताल, द्वाराहाट, बेतालघाट की घटनाएं शर्मनाक हैं। पार्टी ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजते हुए उचित कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन भेजने वालों में पूर्व दर्जा मंत्री महेन्द्र लुण्ठी, मनोज ओझा, कोमल शाही, मनोज ठकुराठी, नवीन कापड़ी, अमित कुमार आदि शामिल थे।

भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने लाखन सिंह नेगी को छटा हुआ बदमाश बताते हुए कहा कि इनके खिलाफ 12-13 मुकदमे दर्ज हैं। जीमन घेरने से लेकर तमाम अपराधिक मामले पहले से रहे हैं। इस पर कांग्रेस की उम्मीदवार पुष्पा नेगी के पति लाखन नेगी ने गरजते हुए विधायक रामसिंह कैड़ा के कामकाज और कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। कहा कि सरकारी जमीन घेरकर बड़े घोटल बनाए जा रहे हैं। बार-बार सोशल मीडिया से बात उठी लेकिन इनकी दबंगई बढ़ती जा रही है। क्षेत्र की जनता इनके बारे में सब जान चुकी है। सोशल मीडिया को हथियार बनाते हुए ये नेता लगातार बरस रहे हैं। इस पर विधायक कैड़ा ने फिर से चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिस होटल पर आरोप लगाया जा रहा है वह उनकी पत्नी सहित चार साझेदारों का है। जिसपर चार करोड़ का लोन है।

विधायक हल्द्वानी सुमित हृदयेश ने तो बहुत तीखे बार करते हुए डॉ. अनिल कपूर डब्बू और प्रमोद बोरा के लिये कहा कि उनकी माता जी का अहसान भूल रहे हैं। डब्बू की विश्वविद्यालय में नौकरी हो या प्रमोद बोरा की पत्नी की उच्चशिक्षा में नौकरी हो, कैसे लगी वह सब जानते हैं। आज यह लोग गिरेवान पकड़ने वाले हो गये हैं। कहा दलाली करने वाले हैं। अनिल कपूर डब्बू ने कहा नौकरी ऐसे ही नहीं मिल जाती। सुमित तब छोटी उम्र के रहे होंगे जब मैंने नौकरी शुरू की। उन्हें तो भरपूर साधन मिले हैं वह क्या जानें कि कितनी परेशानी के बाद मैं आगे बढ़ सका। जनता इन्हें सबक सिखाएगी और न्याया का कार्य न्यायालय करता है।इस बीच बेतालघाट में चुनाव के दौरान फायरिंग करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने लखीमपुर खीरी के भीरा कस्बे से पकड़ा। रुद्रप्रयाग जिला पंचायत में भी बबाल मचा है। आरोप लगाया जा रहा है कि भाजपा कांग्रेस के 9-9 सदस्य हैं लेकिन कांग्रेस का वोट निरस्त कर गड़बड़ क है।

पिघलता हिमालय बढ़ते कदमों के साथ

गोविन्द सिंह जंगपांगी

5/39 जोहार नगर

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

विश्वसनीयता का नाम, उचित दाम

रामा एग्रो इंडस्ट्रीज

झनकट खटीमा

(उधमसिंह नगर)

Hotel

Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station

Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)